>

Title: Need to provide financial assistance in hospitals to extend timely medical assistance to children falling victim to curable diseases in the country.

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (उत्तर पूर्व दिल्ली): इंटरनेशनल मेडिकल जर्नल-लैंसेट के अनुसार 2010 में दुनिया भर में पांच साल से कम आयु के 76 लाख बच्चों की मृत्यु हुई है। इनमें से आधे बच्चे भारत, कांगो, पाकिस्तान और चीन से संबंध रखते हैं। यह चिंता का विषय है कि पांच साल से कम आयु के जिन 76 लाख बच्चों की मृत्यु हुई है, उनमें से 50 लाख बच्चे न्यूमोनिया, डायरिया और मलेरिया जैसी उन साधारण बीमारियों के कारण मौत का शिकार हुए, जिन्हें मामूली और वक्त पर उपचार देकर बचाया जा सकता था।

चिकित्सकों के अनुसार न्यूमोनिया, डायरिया और मलेरिया ऐसे रोग नहीं हैं, जिन पर काबू पाने के लिए पोलियो उन्मूलन जैसा बड़ा अभियान चलाया जाए अथवा इसके लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की एक बड़ी संख्या तैनात की जाए। सरकारी चिकित्सालयों और औषधालयों में इन बीमारियों का आसानी से उपचार हो सकता है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह देश में न्यूमोनिया, डायरिया और मलेरिया जैसी बीमारियों की रोकथाम के लिए विशेषतः गांव-देहात की डिस्पेंसरियों में ट्रेंड कंपाउंडर और नर्स की तैनाती सुनिश्चित करके और आंगनवाड़ी वर्करों की सहायता से बच्चों को इन बीमारियों की मार से बचाने हेतु आवश्यक कदम उठाए।